भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2314

मंगलवार, 10 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

जीआई एप्लीकेशन डेटा

2314. श्री राहुल कस्वां:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजस्थान राज्य के लिए वर्तमान वर्ष 2024 के दौरान भौगोलिक संकेतन (जीआई-टैग) संबंधी आवेदन और पंजीकरण आंकड़ों तथा स्वीकृति अनुपात का ब्यौरा क्या है;

(ख) राजस्थान के अधिकांश विरासती उत्पादों के लिए जीआई-टैग के दायरे का विस्तार करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा क्या विशिष्ट उपाय किए गए हैं क्योंकि 26 जुलाई, 2024 तक राजस्थान के पास कुल इक्कीस जीआई-टैग हैं जो तमिलनाडु के उनसठ जीआई-टैग और उत्तर प्रदेश के सतहत्तर जीआई-टैग के बनिस्पत बहुत कम हैं;

(ग) राज्यों से जीआई आवेदनों की संख्या बढ़ाने के लिए आम जनता के बीच पर्याप्त जागरूकता और विशेषज्ञता सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा उठाए गए विशिष्ट उपायों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) देश में और इसके परिणामस्वरूप राजस्थान में सीमित जीआई-टैग स्वीकृति अनुपात के कारणों की पहचान करने के लिए सरकार द्वारा किए गए विशिष्ट उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क): राजस्थान राज्य के पंजीकृत भौगोलिक संकेतकों का विवरण अनुबंध "क" के रूप में संलग्न है। चालू वर्ष के दौरान दिनांक 04.12.2024 तक राजस्थान राज्य से जीआई पंजीकरण के लिए 18 आवेदन प्राप्त हुए हैं और उनकी वस्तु स्थिति का विवरण अनुबंध "ख" के रूप में संलग्न है। साथ ही, वर्ष 2023 में पूरे भारत में पंजीकृत कुल 160 जीआई आवेदनों में से 05 जीआई आवेदन राजस्थान राज्य से पंजीकृत हैं।

(ख) और (ग): जीआई को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलों के भाग के रूप में, राजस्थान सहित देश भर में जीआई आवेदनों की संख्या बढ़ाने के लिए जनता के बीच पर्याप्त जागरूकता और विशेषज्ञता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित की गई हैं। ऐसे सभी कार्यक्रमों का विवरण **अनुबंध ग** के रूप में संलग्न है।

(घ) और (ङ): भौगोलिक संकेतक रजिस्ट्री (जीआईआर), उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के अधीन एक अर्ध-न्यायिक प्राधिकरण है, जो माल का भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 और माल का भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) नियम, 2002 के प्रशासन हेतु स्थापित किया गया है। जीआईआर का प्रमुख कार्य, अन्य बातों के साथ-साथ, ऐसे आवेदन के संबंध में जीआई पंजीकरण प्रदान करना है जिनकी सरकार द्वारा अधिसूचित मौजूदा अधिनियम/नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुसार व्यापक जांच करनी होती है और जिन्हें उक्त दिशा-निर्देशों में रेखांकित मानदंडों का पालन भी करना होता है। उक्त दिशानिर्देशों का पालन न करने पर आवेदन (आवेदनों) को अस्वीकार किया जा सकता है। राजस्थान सहित पूरे देश में इसी प्रकार

भौगोलिक संकेतक टैग के बारे में हितधारकों में जागरूकता बढ़ाने और उनके साथ संपर्क स्थापित करने का कार्य किया जाता है। इससे संबंधी सहायता मांगे जाने पर आवेदकों को सहायता भी प्रदान की जाती है।

****

अनुबंध-क

दिनांक 10.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2314

के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

राजस्थान राज्य के पंजीकृत जीआई					
क्र.सं.	**आवेदन सं.**	**भौगोलिक संकेतक**	**वस्तु स्थिति**	**सामग्री**	**राज्य**
1	142	बीकानेरी भुजिया	पंजीकृत	खाद्य सामग्री	राजस्थान
2	628	सोजत मेहदी	पंजीकृत	कृषि	राजस्थान
3	12	कोटा डोरिया	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
4	66	जयपुर की ब्लू पौटरी	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
5	67	मोलेला मिट्टी की कारीगरी	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
6	68	राजस्थान की कठपुतलियां	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
7	147	सांगानेरी हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
8	183	बगरू हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
9	191	कोटा डोरिया (लोगो)	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
10	244	थेवा कलाकारी	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
11	519	पोकरण पौटरी	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
12	539	राजस्थान की मोलेला मिट्टी की कारीगरी (लोगो)	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
13	540	जयपुर की ब्लू पौटरी (लोगो)	पंजीकृत	हस्तशिल्प	जस्थान
14	541	राजस्थान की कठपुतलियां (लोगो)	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
15	748	नाथद्वारा पिछवाई चित्रकला	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
16	747	उदयपुर कोफ्तगरी मेटल क्राफ्ट	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
17	750	बीकानेर काशीदाकारी क्राफ्ट	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
18	751	जोधपुर बंधेज क्राफ्ट	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
19	753	बीकानेर का उस्ता कला क्राफ्ट	पंजीकृत	हस्तशिल्प	राजस्थान
20	405	मकराना मार्बल	पंजीकृत	प्राकृतिक	राजस्थान

*****

अनुबंध-ख

दिनांक 10.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2314 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

जनवरी, 2024 से अब तक राजस्थान राज्य से प्राप्त जीआई आवेदनों की सूची						
क्रम सं.	**आवेदन संख्या**	**भौगोलिक संकेतक**	**वस्तुस्थिति**	**दायर करने की तारीख**	**सामग्री**	**भौगोलिक क्षेत्र**
1	1211	खरक कढ़ाई	परीक्षण पूर्व चरण में	02.04.2024	वस्त्र	राजस्थान
2	1212	मुक्का कढ़ाई	परीक्षण पूर्व चरण में	02.04.2024	वस्त्र	राजस्थान
3	1213	खंबरी कढ़ाई	परीक्षण पूर्व चरण में	02.04.2024	वस्त्र	राजस्थान
4	1214	अतिरिक्त वैफ्ट पट्टू बुनाई	परीक्षण पूर्व चरण में	02.04.2024	वस्त्र	राजस्थान
5	1215	सूफ कढ़ाई	परीक्षण पूर्व चरण में	02.04.2024	वस्त्र	राजस्थान
6	1216	पक्का / पक्को कढ़ाई	परीक्षण पूर्व चरण में	02.04.2024	वस्त्र	राजस्थान
7	1217	ऐप्लीककारीगरी	परीक्षण पूर्व चरण में	02.04.2024	वस्त्र	राजस्थान
8	1224	जोधपुर आयरन क्राफ्ट	परीक्षण पूर्व चरण में	16.04.2024	हस्तशिल्प	राजस्थान
9	1225	राजस्थान रावण हत्था (संगीत वाद्ययंत्र)	परीक्षण पूर्व चरण में	16.04.2024	हस्तशिल्प	राजस्थान
10	1234	जयपुर मार्बल स्टोन क्राफ्ट	परीक्षण पूर्व चरण में	24.04.2024	हस्तशिल्प	राजस्थान
11	1235	बाड़मेर कतब (पैच वर्क)	परीक्षण पूर्व चरण में	24.04.2024	हस्तशिल्प	राजस्थान
12	1236	जोधपुर वुड क्राफ्ट	परीक्षण पूर्व चरण में	24.04.2024	हस्तशिल्प	राजस्थान
13	1246	सिंधी सारंगी	परीक्षण पूर्व चरण में	13.05.2024	हस्तशिल्प	राजस्थान
14	1265	फड़ पेंटिंग	परीक्षण पूर्व चरण में	11.06.2024	हस्तशिल्प	राजस्थान
15	1324	उदयपुर ठिकरी क्राफ्ट	परीक्षण पूर्व चरण में	24.07.2024	हस्तशिल्प	राजस्थान
16	1325	उदयपुर डंका क्राफ्ट	परीक्षण पूर्व चरण में	24.07.2024	हस्तशिल्प	राजस्थान
17	1335	जोधपुर चटेरी स्टोन क्राफ्ट	परीक्षण पूर्व चरण में	08.08.2024	हस्तशिल्प	राजस्थान
18	1347	नागौरी पान मैथी	परीक्षण पूर्व चरण में	13.08.2024	कृषि	राजस्थान

*****

अनुबंध-ग

दिनांक 10.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2314 के भाग (ख) और (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

पिछले 5 वर्षों के दौरान भौगोलिक संकेतक के बारे में जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपाय और पहलें निम्नानुसार हैं;

क्रम सं.	कार्यक्रम	क्रिया कलाप
	2022-23	
1	**जागरूकता कार्यशाला (26 अप्रैल, 22):**	जीआई के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कई स्थानीय कारीगरों के लिए आईआईटी रुड़की के सहयोग से कालसी, देहरादून में एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।
2	**विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2022 (26 अप्रैल, 22):**	डीपीआईआईटी ने भौगोलिक संकेतकों के विभिन्न पहलुओं और उनकी विशिष्टता, विविधता और कलात्मकता को कैप्चर करने संबंधी विषय पर 'राष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता' आयोजित की गई।
3	**जी आई पविलियन-आहार 2022(26 - 30 अप्रैल, 22):**	राजस्थान सहित देश भर के जीआई उत्पादों के बारे में आईटीपीओ में 5 दिवसीय कार्यक्रम।
4	**इंडिया जीआई फेयर (26-28 अगस्त, 22):**	इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में 3 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया
5	**जीआई महोत्सव (16-21 अक्तूबर, 22):**	• व्यापार सुविधा केंद्र, वाराणसी में एक साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। • जीआई धारकों के लिए डीपीआईआईटी अधिकारियों के साथ विभिन्न ज्ञान सत्र आयोजित किए गए।
6	**विशेष जीआई पविलियन (14-27 नवंबर, 22):**	आईआईटीएफ 2022 में विशेष जीआई पविलियन स्थापित किया गया जिसे आईटीपीओ द्वारा प्रगति मैदान में राजस्थान सहित देश भर के उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किया गया।
7	**हिस्ट्री टीवी18 पर प्रचार वीडियो:**	भारत के भौगोलिक संकेतक को लोकप्रिय बनाने के लिए, टीवी हिस्ट्री 18 के सहयोग से विभिन्न भारतीय जीआई को कवर करते हुए 17 प्रचार वीडियो तैयार किए गए।

		टीवी हिस्ट्री 18 नेटवर्क के विभिन्न चैनलों जैसे हिस्ट्री टीवी 18 -एसडी, हिस्ट्री टीवी 18 - एचडी पर वीडियो प्रसारित किए गए।
8	**जीआई पर सोशल मीडिया अभियान:**	• डीपीआईआईटी ने राजस्थान सहित देशभर से भारत के जीआई को बढ़ावा देने के लिए एक सोशल मीडिया अभियान चलाया। जीआई उत्पादों की खरीद को बढ़ावा देने के लिए त्यौहारों के दौरान 9' गिफ्ट ए जीआई' अभियान शुरू किए गए। • दिलचस्प तथ्यों के माध्यम से जीआई पर जागरूकता फैलाने के लिए 'स्पॉट द जीआई' लॉन्च किया गया।
9	**जीआई पविलियन (14-18 मार्च, 23):**	• डीपीआईआईटी ने प्रगति मैदान में आहार 2023 में 55 जीआई पंजीकृत उत्पादों के लिए 'जीआई पवेलियन' स्थापित किया। • 37वें अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और आतिथ्य मेले की थीम 'अतुल्य भारत के अमूल्य खजाने' रखी गई
	2023-24	
10	**ईपीसीएच जीआई फेयर इंडिया (20-24 जुलाई,23):**	इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा मेंजीआई फेयर इंडिया 2023 का दूसरा संस्करण।
11	**रेडियो मिर्ची (17-31 अगस्त, 23):**	रेडियो मिर्ची ब्रियुअरी द्वारा 15 दिनों के लिए राजस्थान सहित देश भर से आए जीआई उत्पादों के प्रचार के लिए जीआई प्रचार आयोजित किया गया।
12	**यूपी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी (21-25 सितंबर, 23):**	इंडियन एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में यूपी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो।
13	**श्रीनगर में जीआई महोत्सव (2-8 अक्तूबर, 23)**	जीआई को बढ़ावा देने की पहल के भाग के रुप में श्रीनगर में एक सप्ताह का जीआई महोत्सव।
14	**सूरत में जीआई महोत्सव (16-20 दिसंबर, 23):**	सूरत में जीआई महोत्सव आयोजित किया गया।
15	**जीआई स्टार्टअप चैलेंज (29 दिसंबर 23-20 फरवरी, 24) :**	डीपीआईआईटी ने स्टार्टअप इंडिया के सहयोग से जीआई परिवेश में चुनौतियों के लिए स्टार्ट-अप के माध्यम से अभिनव समाधानों की पहचान करने के लिए

		स्टार्टअप इंडिया पोर्टल पर जीआई स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज आयोजित किया
16	**इंडिया टुडे द्वारा जीआई का प्रचार:**	इंडिया टुडे ने राजस्थान सहित देश भर के जीआई को बढ़ावा देने के लिए तीन चरणों में जीआई से संबंधित लेख प्रकाशित किए।
17	**नेशनल ज्योग्राफिक द्वारा जीआई का प्रचार:**	डीपीआईआईटी ने नेशनल ज्योग्राफिक चैनल के सहयोग से जीआई-आधारित वीडियो लॉन्च किए जिनमें भारत और सार्क बाजारों में जीआई टैग किए गए उत्पादों पर 5 वृत्तचित्र फिल्मों (8-10 मिनट) का निर्माण, प्रसारण, विपणन और लाइसेंसिंग शामिल है।
18	**कोलकाता में 5 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हैकथॉन (8–12 मार्च, 24):**	पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय न्यायिक विज्ञान विश्वविद्यालय (डब्ल्यूबी एनयूजेएस) ने भौगोलिक संकेत और संबंधित पारंपरिक ज्ञान सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों पर हैकथॉन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।
	2024-25	
19	**इनसाइट टू इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन (12 जुलाई, 24):**	यशोभूमि में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और सरकारी विभाग के प्रतिभागियों के साथ इनसाइट टू इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया।
20	**इंडियन एयरलाइंस में जीआई का प्रचार (मार्च-जुलाई, 24)**	देश के विभिन्न हिस्सों के जीआई उत्पादों के विषय में कुल 12 लेख विस्तारा, एयर इंडिया, स्पाइसजेट और इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइनों की इनफ्लाइट पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए (प्रति एयरलाइन 3 लेख)।
21	**बर्मिंघम में ऑटम फेयर इंटरनेशनल (1–4 सितंबर, 24):**	ईपीसीएच ने बर्मिंघम, यूनाइटेड किंगडम में ऑटम फेयर इंटरनेशनल 2024 में जीआई उत्पादकों द्वारा भागीदारी और लाइव प्रदर्शन के साथ भारतीय जीआईपविलियन का आयोजन किया।
22	**बाजार बर्लिन 2024(6–10 नवंबर, 24):**	जर्मनी के बर्लिन फेयरग्राउंड (एक्सपो सेंटर सिटी) में बाजार बर्लिन 2024 में इन्वेस्ट इंडिया ने भारत के जीआई उत्पादों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया।

*****